ऑडियो विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं:- 02
ट्रैक नं:- 200M000 7-8
ट्रैक समयावधि:-
कलाकार का नाम:- अरफान खाँ
पिता का नाम:- हैदर खां
पता:- गाव- बडवावा जागीर तह- पचपदरा
जिला बाड़मेर
सहायक कलाकार:- फारुक खा / अयूब खां
विडियो रिकॉर्डिंग समय:-

विषय:- कथा - (पती-पत्नी)
विशेष विवरण
स्थान:-
दिनांक:- 08-07-2021

यह कथा पती और पत्नी पर आधारित है तथा इस कथा में पती को पत्नी से इतना प्रेम होता है कि वह अपनी आयु के आधे वर्ष अपनी पत्नी को दे देता है। फिर भी उसकी पत्नी उसे धोखा ही देती है।

कथा की शुरुआत में एक व्यक्ति अपनी नवविवाहित पत्नी को अपने घर लेकर जाता है कुछ दिनों बाद वह व्यापार के लिए दूसरे शहर चला जाता है। उसी वर्ष उस शहर में आकर अकाल पड़ जाता है तो वहां के सभी लोग काल का कारण उस नव वधू को मानते और उस लड़की के दीवार के अन्दर चुनने लगते हैं लेकिन समय पर उसका पती पहुँच जाता है और उसे बचा लेता है और वे दोनों वह शहर छोड़कर निकल जाते हैं। चलते-चलते रात हो जाती है और वे उसी जगाह विश्राम के लिए रुक जाते हैं। वे दोनों थके हुए होते हैं तो उन्हें नींद आ जाती है तथा पेड़ से एक सांप निकलता है और उसकी पत्नी को उस लेता है और उसकी मत्यु हो जाती है वह व्यक्ति उठता तो अपनी पत्नी को मरा हुआ पाता है और वह बहुत दुखी हो जाता है तथा अपनी पत्नी का सिर अपनी गोद में लेकर बैठ जाता है। थोड़ी देर में चकवा और चकवी उसी पेड़ पर आकर बैठते हैं तथा चकवी चकवे से कहती है कि कुछ बात करो तो करे रात तो चकवा कहता है कि अपने घर की पराये घर की तो चकवी कहती कि पराये घर की करो देखो यह व्यक्ति अपनी पत्नी से कितना प्रेम करता है और पत्नी की मृत्यु हो गई है और यह बहुत दुखी है। तथा चकवा कहता है कि इस औरत की आयु पूर्ण हो गई है लेकिन इनका पती तीन बार यह कह दे कि मैंने आधी आयु अपनी पत्नी को दी तो यह जिन्दा हो जाएगी यह कहकर वे उड़ जाते हैं और यह बात वह व्यक्ति सब सुनता है तो वह तीन बार कहता

है तो उसकी पत्नी जिन्दा हो जाती है और उसे कुछ भी पता नहीं चलता है कि उसे सांप ने काटा और उसके पती ने उसे आयु दी। इसतरह वे दोनो किसी दूसरे शहर में चले जाते है और वहां रहने लगते है एक दिन उस शहर में सरकस का खेल लगता है तो सभी लोग वह खेल देखने जाते है और वह पती पत्नी भी वहां जाते है। उस व्यक्ति की पत्नी वहां एक लड़का देखती है जो ढोलक बजा रहा होता है उस पर वह मोहित हो जाती है तथा जब खेल खत्म हो जाता है और वे सरकस वाले दूसरे शहर चले जाते है तो वह औरत अपने पती को रात को नींद में सो रहे पती को कुँए में डाल देती है और वह उस लड़के के पास चली जाती है और उन्ही के साथ नाच गान करने लगती है। लेकिन 'जाँको राखे सांईयां मार सके न कोय' एक गवाला अपने पशुओं को पानी पिलाने के लिए कुँए के अन्दर बाल्ट डालता है तो वह पकड़ लेता है और वह उसे बाहर खींच लेता है। कुछ दिन बाद वह अपनी औरत के पीछे एक शहर में जाता है तो वह देखता है कि उसकी पत्नी भी उनके साथ नाच गाना कर रही है। थोड़ी देर बाद वह औरत भी अपने पती देख लेती तो वह सोचती है कि मैंने इसे कुँए में डाल दिया था यह बच कैसे गया और वह नाटक करती है और चिल्लाने लगती है कि इस आदमी ने मेरा कलेजा निकाल दिया तो वहां खड़े लोग उसे पकड़ लेते है तो वह व्यक्ति कहता है कि मैंने इस औरत को अपनी आधी आयु दी थी यह मेरी पत्नी है लेकिन मेरी आयु वापिस दिला दो मैं यहां से चला जाऊँगा सिर्फ उस औरत से इतना कहलवा दो मैंने आपकी आयु वापिस दी। उस औरत को पता नहीं होता है कि यह बात सच तो वह तीन बार कह देती कि मैंने आपकी आयु वापिस दी तथा यह कहते ही उसकी मृत्यु हो जाती है और उस व्यक्ति की आयु वापिस आ जाती है और वह वापिस अपने शहर चले जाता है।